Popular Television serials

389. SHRI DHULESHWAR MEENA: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what are the names of the first five popular Television serials after "Ramayana" during the first six months of 1988 according to various panel surveys conducted by Doordar-shan and other agencies;

(b) what are the names of first five Television serials which have earned maximum revenue for Doordarshan during the same period; and

(c) whether some of the Television serials being shown at 9.00 O'clock slot are far from satisfactory and if so, the steps being taken to improve the quality of these Television serials?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT): (a) No specific study has been done by Doordarshan to assess the popularity of TV serials. However, panel surveys were conducted by Doordarshan in selected cities to assess the viewership of the serials. Reports from the panel surveys indicate that the viewership varied from serial to serial from month to month during the first six months of 1988.

(b) The following are the first five serials which earned maximum revenue for Doordarshan during the first six months of 1988:—

1. Ramayana
2. Intezar
3. Zmdagi
4. Manoranjan
5. Uddan

(c) No, Sir. However, improvement in the quality of Doordarshan pro grammes including the sponsored serials is a continuous process.

किसान घाट के लिए भूमि का विकास

290. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय:** क्या शहरी विकास मंत्री 11 मार्च, 1988 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1696 के दिये उत्तर को देखें और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने स्वर्गीय चौधरी चरणसिंह के समाधिस्थल किसान घाट के विकास के लिए अभी तक कोई निर्णय लिया है ; यदि हां, तो इस उद्देश्य के लिए कितनी धनराशि निर्धारित की गयी है ; और

(ख) योजना के कब तक कार्यान्वित किए जाने की संभावना है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलबीर सिंह) : (क) जी, नहीं ।

(ख) उपयुक्त भाग (क) के उत्तर को देखते हुये प्रश्न ही नहीं उठता ।

स्टाफ आर्टिस्टों को पेंशन

391. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय :** क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आकाशवाणी में स्टाफ आर्टिस्ट का काम करने वाले लोगों के लिए पेंशन देने का कोई प्रस्ताव है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच. के. एल. भगत) : (क) तथा (ख) स्टाफ आर्टिस्टों के लिए पेंशन सुविधाओं के प्रश्न पर सरकार द्वारा उचित विचार किया जाएगा ।

Formulation of National Advertisement Policy

392. SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA; Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether a conference of the

association of small newspapers held in Delhi in March last demanded formulation of a National Advertising Policy and a separate category for small and medium newspapers in the country; and

(b) if so, what are the details thereof and action taken thereon?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI H. K. L. BHAGAT); (a) Government is not aware of any such conference of association of small newspapers.

(b) Does not arise.

समाचार बुलेटिनों का प्रसारण

393. **श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में दूरदर्शन से राष्ट्रीय प्रसारण में प्रतिदिन कितनी बार और किस-किस समय समाचार बुलेटिन जारी करने की व्यवस्था है और यह किन-किन भाषाओं में होते हैं ; और

(ख) क्या दोपहर में भी राष्ट्रीय समाचार बुलेटिन जारी करने का प्रस्ताव है और यदि हां, तो कब से और कितने समय की ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) दूरदर्शन के प्रातः कालीन तथा सायंकालीन प्रेषणों में दो दो समाचार बुलेटिन, तथा अंग्रेजी प्रत्येक में एक एक टेलीकास्ट किए जाते हैं। हिन्दी बुलेटिन प्रातः 7.20 तथा रात्रि 8.40 बजे टेलीकास्ट किए जाते हैं जबकि अंग्रेजी बुलेटिन प्रातः 7.50 बजे रात्रि 9.30 बजे टेलीकास्ट किए जाते हैं।

(ख) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

दिल्ली में पाकिस्तानी टेलीविजन के कार्यक्रम

394. **डा० रत्नाकर पाण्डेय :**
श्री बेकल उत्साही :
श्री संतोष बागडोदिया :

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 14 और 18 जून, 1988 को पाकिस्तानी टेलीविजन, द्वारा प्रसारित कुछ कार्यक्रम दिल्ली गुड़गांव और गाजियाबाद आदि में दूरदर्शन के कार्यक्रमों से भी अधिक साफ देखे गए ; और

(ख) यदि हां, तो बिना किसी पूर्व घोषणा के अचानक पाकिस्तानी कार्यक्रमों के दिखाई देने के कारणों का पता लगाने के लिए क्या कोई जांच की गई है/ जांच के आदेश दिए गए हैं ; यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है ?

संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एच० के० एल० भगत) : (क) दिल्ली के आस पास के कुछ क्षेत्रों में 1988 के जून के महीने के दौरान पाकिस्तान के टेलीविजन सिग्नलों के प्राप्त होने की रिपोर्ट मिली थी।

(ख) पाकिस्तान के टेलीविजन सिग्नल दिल्ली के कुछ भागों में प्राप्त होने की इसी प्रकार की रिपोर्ट पहले भी 15 मार्च, 1988 को मिली थी। राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों के सहयोग से एक विस्तृत जांच की गयी थी जिससे यह स्थापित हुआ कि ये सिग्नल चपल थे और विशेष वातावरण व मौसम की स्थिति में प्रसारण की असंगत प्रणाली की असाधारण क्रिया के कारण प्राप्त हुए थे।

. Increase in the transmission time

395. SHRI KAPIL VERMA;
SHRI RAM CHANDRA VIKAL: SHRIMATI VEENA VERMA:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state;

(a) whether Government propose to have round the clock All India Radio